सत्यमेव जयते

श्री कलराज मिश्र

माननीय राज्यपाल, राजस्थान का उद्बोधन

राजस्थान पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर

संविधान पार्क एवं कौशल विकास केन्द्र शिलान्यास कार्यक्रम

दिनांक 28 अक्टूबर, 2020 **समय – दोपहर 12.15 बजे**

राजभवन, जयपुर

राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर के कुलपति प्रो. विष्णु शर्मा, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई–दिल्ली के सहायक महानिदेशक (शिक्षा) डॉ. पी.एस. पांड़े, प्रदेश के अन्य विश्वविद्यालयों के कुलपतिगण, विश्वविद्यालय के अधिकारीगण, अधिष्ठाता एवं निदेशकगण, संकाय सदस्यगण, प्रिय विद्यार्थी, किसानों व पशुपालक भाईयों और बहनों।

मेरे लिए यह अत्यन्त प्रसन्नता की अनुभूति है कि बीकानेर स्थित पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय में संविधान पार्क की स्थापना के साथ आज कौशल विकास केन्द्र की आधारशिला रखी जा रही है।

विश्वविद्यालयों में संविधान पार्क की स्थापना के लिए मैं बार–बार कहता रहा हूँ। इसके पीछे मंशा यह है कि हमारी जो युवा पीढ़ी है, उसे विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक हमारे देश की लोकतांत्रिक पद्धति के संचालन की प्रक्रिया के बारे में जानकारी होनी चाहिए।

संविधान देश की शासन प्रणाली और राज्य को चलाने के लिए बनाया गया महत्वपूर्ण दस्तावेज है। यह वह मार्गदर्शक प्रकाश स्तंभ है, जिससे हमारे यहां लोकतांत्रिक व्यवस्था का संचालन होता है।

मैं यह भी मानता हूं कि भारतीय संविधान विश्वभर के लोकतंत्रों की सर्वश्रेष्ठ व्याख्या है। इसमें अधिकारों के साथ–साथ नागरिक कर्तव्यों के बारे में भी सचेत किया गया है। इसीलिए यह जरूरी है कि प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों में संविधान पार्क बने ताकि इसके जरिए भारतीय संविधान की मूल भावना से हमारा युवावर्ग जुड़ा रहे।

भारतीय संविधान लिखने का कार्य 9 दिसंबर 1946 को प्रारंभ हुआ। सच्चिदानंद सिन्हा इस सभा के सभापति थे। बाद में डा. राजेद्र प्रसाद को सभापति निर्वाचित किया गया। डॉ. भीमराव आंबेडकर को अध्यक्ष विधीवेत्ता चुना गया। भारतीय संविधान का निर्माण 2 वर्ष 11 महीने 18 दिन में पूरा हुआ और डा राजेंद्र प्रसाद को 26 नवंबर 1949 को भारत का संविधान सुपर्द किया गया।

भारतीय संविधान हमारे देश के आदर्शों, उद्देश्यों व मूल्यों का संचित प्रतिबिंब है। और यह भी यहां बताना मैं जरूरी समझता हूं कि संविधान कोई जड़ दस्तावेज नहीं है, बल्कि समय के साथ यह निरंतर विकसित होता रहता है। संविधान संशोधना के जरिए इसमें आवश्यकतानुसार परिवर्तन किए जाते हैं। इसलिए भी भारतीय संविधान आज विश्वभर में एक प्रमुख उदाहरण माना जाता है।

संविधान के बारे में यहां एक रोचक बात का उल्लेख भी मैं करना चाहता हूं। हमारे संविधान की जो मूल प्रति है उसमें भारतीय संस्कृति को दर्शाने वाले बहुत सुंदर चित्र बने हुए हैं। देश के प्रख्यात चित्रकार श्री नंदलाल बोस ने इन चित्रों का निर्माण संविधान की मूल प्रति पर किया था। संविधान की मूल प्रति में वैदिक काल के ऋषि के आश्रम का चिह्न भी है। मध्य में गुरु बैठे हुए हैं और उनके शिष्यों को दर्शाया गया है। बगल में एक यज्ञशाला बनी हुई है। भारतीय संस्कृति से जुड़ा संविधान हमारी ऐसी अमूल्य निधि है जिससे लोकतंत्र की जड़े सदा हरी रहती है।

हमारा संविधान एकता और राष्ट्रवाद के आदर्शों को बढ़ावा देता है। विश्वविद्यालय में संविधान पार्क की स्थापना से छात्र जीवन से ही विद्यार्थियों में लोक तांत्रिक आस्थाओं में अभिवृद्धि की प्रेरणा मिलेगी।

मुझे आशा है कि संविधान पार्क विद्यार्थियों को मौलिक कर्त्तव्यों, नीति निर्देशक तत्वों और देश के प्रति जिम्मेदारी का अहसास करवाने का एक सशक्त माध्यम बनेगा।

मुझे आज इस बात की भी हार्दिक प्रसन्नता है कि वेटरनरी विश्वविद्यालय में कौशल विकास केन्द्र की आधारशिला रखी जा रही है। कौशल विकास आज के समय की सबसे बड़ी जरूरत है। नई शिक्षा नीति में कौशल विकास पर ही अत्यधिक ध्यान दिया गया है।

कृषि और पशुपालन एक दूसरे के पूरक हैं। ग्रामीण अर्थव्यवस्था की यह रीढ़ है। इस दृष्टि से पशुपालन के कारगर उपायों के साथ कौशल उन्नयन और क्षमता विकसित करने की आज महत्ती आवश्यकता है।

मुझे यह जानकर खुशी है कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के सहयोग से एक करोड़ रूपये लागत से किसानों, पशुपालकों और युवाओं के कौशल उन्नयन और क्षमता विकास के लिए आपके यहां कौशल विकास केन्द्र की स्थापना की जा रही है।

मुझे आशा है कि इस केन्द्र में युवाओं, किसानों और पशुपालकों को पशुपालन की विभिन्न विधाओं में कौशल विकास कार्यक्रमों से रोजगार और आय सृजन के अवसर सुलभ होंगे। यह जानना भी सुखद है कि शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ–साथ विश्वविद्यालय में पाठ्यक्रम को कौशल विकास से जोड़ने का कार्यक्रम लागू किया गया है और डेयरी प्रौद्योगिकी, मुर्गीपालन, जैविक पशुपालन पर लघु अवधि के सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे।

राज्य में पशुचिकित्सा शिक्षा में आपके इस विश्वविद्यालय ने पशु चिकित्सा, शिक्षा, अनुसंधान और प्रसार के क्षेत्र में विशेषज्ञ और विशिष्ट सेवाएं प्रदान करते हुए 19 जिलों में अपनी पहुँच बनाने का सराहनीय कार्य किया है।

मुझे यह बताया गया है कि वेटरनरी विश्वविद्यालय, बीकानेर ने विद्यार्थियों को शिक्षा व अनुसंधान में विशेष अवसर प्रदान किये जिससे उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता में वृद्धि हुई है। वेटरनरी विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के अथक प्रयासों से प्रदत्त तकनीकों एवं नवाचारों के फलस्वरूप पिछले कईं वर्षों से राज्य में न सिर्फ पशुधन की गुणवत्ता एवं स्वास्थ्य में सुधार हुआ है अपितु पशुधन उत्पादों में भी आशातीत वृद्धि हुई है।

स्वदेशी गौवंश की छः नस्लों के संरक्षण और संवर्द्धन का बीड़ा पूरे देश में सर्वप्रथम इस विश्वविद्यालय ने उठाया। डाइग्नॉस्टिकइमेजिंग, रोग निदान, ई–गवर्नेंस आदि अनेकों क्षेत्रों में प्रयोग करने वाला यह देश का अग्रणी विश्वविद्यालय है।

यह महत्वपूर्ण है कि केन्द्र और राज्य सरकार की विभिन्न विकास एवं अनुसंधान परियोजनाओं का क्रियान्वयन करके पशुधन कल्याण कार्यक्रमों को पूरी शिद्दत के साथ विश्वविद्यालय लागू कर रहा है।

मुझे आशा है कि यह विश्वविद्यालय निरंतर नवाचार करता हुआ राज्य के पशुपालकों की अपेक्षाओं को पूरा करेगा।

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के तहत वेटरनरी विश्वविद्यालय ने एक बहु संकाय विश्वविद्यालय की ओर कदम बढ़ाते हुए व्यावसायिक शिक्षा पर विशेष जोर दिया है।

वेटरनरी विश्वविद्यालय द्वारा कोविड–19 महामारी के दौर में विद्यार्थियों, युवाओं, किसानों और पशुपालकों के लिए ऑनलाइन कौशल विकास के भी सराहनीय कार्य किए जा रहे हैं।

मैं उम्मीद करता हूं कि विश्वविद्यालय नई शिक्षा नीति के मनोभावों को समझते हुए उसे लागू करने के साथ ही अपने यहां शिक्षा, अनुसंधान और प्रसार के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करेगा।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति, शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों और किसान–पशुपालक भाइयों व बहनों को पुनः मैं संविधान पार्क और कौशल विकास केन्द्र की स्थापना के लिए हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं।

धन्यवाद। जय हिन्द।